जैविक खेती अपनाकर बने प्रचारक

'कट्स' मानव विकास केन्द्र द्वारा जैविक उपभोग को बढावा देने के लिए स्वीडिस सोसायटी फॉर नेचर कन्जरवेश्न, स्वीडन के सहयोग से संचालित प्रो–आर्गेनिक 'राजस्थान में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए परियोजना की प्रगती के सूचक आदिवासी जिले के गांवो में भी दिखने लगे है। पंचायत समिति एवं जिला प्रतापगढ़ के गांव गोटारसी के किसान श्री समरथ मेघवाल ने जैविक खेती के प्रति लोगों को जागरूक करने का कार्य बखूबी निभा रहे है।

गोटारसी गांव प्रतापगढ़ मन्दसौर सड़क मार्ग से 2 कि.मी. अन्दर की ओर बसा हुआ है। पंचायत समिति व जिला प्रतापगढ़ का यह गांव जिला मुख्यालय से लगभग 12 कि.मी. पूर्व दिशा में बसा हुआ है। गांव में लगभग 250 घर है जिसमें 100 घर मुस्लिम, 35 घर तेली, 25 घर गााायरी, 12 घर राजपुत, 10 घर मीणा, 8 घर मेघवाल एवं अन्य जातियाँ रहती है। गांव के लोगों की आय का स्त्रोत कृषि एवं पशुपालन है। सिंचाई कुओं से की जाती है। गांव में रबी में मुख्य रूप से गेहुं, मसूर, सरसो और चना तथा खरीफ में मक्का, सोयाबीन व प्याज की फसल उगाई जाती है।

गोटारसी गांव में आयोजित जागरूकता बैठक में श्री समरथ लाल मेघवाल ने भी ग्रामवासियों के साथ उपस्थित होकर जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम से इतने प्रभावित हुए कि दुसरे दिन भी पास के गांव गादोला में ओयोजित जागरूकता बैठक में पहुंच गये और जानकारी को ध्यानपूर्वक सुना। श्री समरथ मेघवाल ने कट्स मानव विकास केन्द्र द्वारा आयोजित जिला स्तरीय परामर्श बैठक एवं जागरूकता गतिविधियों में सक्रियता से भाग लिया एवं कट्स द्वारा प्रकाशित संदर्भ सामग्री से अपना ज्ञान बढ़ाया।

श्री समरथ मेघवाल ने अपने घर पर अमरूद एवं अनार के पौधे लगाये तथा खेती मे केवल देशी खाद का उपयोग करना आरंभ किया। देशी खाद के उपयोग से कम पिलाई में भी फसल तैयार होने लगी है तथा फसल की उत्पादन क्षमता भी बढ़ी है। समरथ मेघवाल ने खरीफ की फसल लेते ही सरसों की बुवाई कर दी। पड़ोसियों के खेत सुखे पडे हुए हैं लेकिन समरथ के खेत में सरसों की फसल लहलहा रही है। अब पड़ोसी भी समरथ मेघवाल से खेती करने के तरीके के बारे में जानकारी लेने लगे है।

कट्स मानव विकास केन्द्र के प्रतिनिधियों ने श्री समरथ लाल मेघवाल से लिये गये साक्षात्कार के दौरान श्री मेघवाल बताया कि पहले गांव के लोग उनके द्वारा खेती में रसायनिक खाद के बजाय केवल गोबर खाद के उपयोग करने पर मजाक उडाते थे लेकिन अब लोगो नें सकारात्मक परीणाम देख तारीफ करने लगे है। समरथ मेघवाल अपने रिश्तेदार व पड़ोसियों को जैविक खेती के महत्व के बारे में जागरूक ही नही कर रहे हैं बल्कि जैविक खेती करने के तरीके भी बता रहे है।

————————